हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त 2025

12 फिल्म 120 बहादुर पर रोक लगाने की मांग, लघु...

12 जवाहर लाल कैनाल नहर एनबी-वन से एनबी-थ्री...

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

आईटीआई में रोजगार मेला कल

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 25 अगस्त को

रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इसमें हीरो मोटोकॉर्प धारूहेड़ा कंपनी के प्रतिनिधि साक्षात्कार के माध्यम से अप्रेंटिस के लिए चयन करेंगे। यह जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि इस जॉब फेयर में इलेक्ट्रिशियन, फीटर, टर्नर, मशीनिस्ट, पेंटर, आरएसी, वेल्डर जैसे सभी तकनीकी ट्रेड के छात्रों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा जिन छात्रों के पास ड्राइविंग लाइसेंस है। वे किसी भी बैच और ट्रेड के हो वे भी इस जॉब फेयर में भाग ले सकते हैं।

आईटीआई में ऑन दा स्पॉट एडमिशन की तिथि बढ़ाई

मंडी अटेली। गांव सुजापुर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में ऑन दा स्पॉट एडमिशन की तिथि अब 30 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। संस्थान के प्रधानाचार्य महाबीर सिंह ने बताया कि संस्थान में कंप्युटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट,सेविंग टेक्नोलॉजी, वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रिशन, सोलर टेक्निशियन इलेक्ट्रिकल, हेल्थ सैनेटरी इन्स्पेक्टर, स्टेनो हिन्दी, मशीनिस्ट के व्यवसायों में कुल 212 सीटों पर दाखिला होने हैं जिनमें ट्रेड कंप्युटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट में 18 सीटें, हेल्थ सैनेटरी इंस्पेक्टर 11 सीटें, मशीनिस्ट चार सीटें, सेविंग टेक्नोलॉजी 13 सीटें, सोलर टेक्निशियन इलेक्ट्रिकल 3 सीटें, स्टेनो हिन्दी 22 सीटें, वेल्डर 12 सीटें रिक्त है। इच्छुक विद्यार्थी 30 अगस्त तक संस्थान में रिक्त सीटों पर ऑन दा स्पॉट दाखिला ले सकते हैं।

श्रीनामदेव समाज समिति आज करेगी सांसद का अभिनंदन

नारनौल। श्रीनामदेव समाज समिति एवं चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 24 अगस्त को भिवानी–महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह का सामाजिक अभिनंदन व सम्मान समारोह का आयोजन करेंगे। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर यतेंद्र राव को भी सम्मानित किया जाएगा। समिति प्रधान जुगेंद्र वर्मा एवं सचिव डॉ. संजय कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि संस्था की वार्षिक आमसभा की बैठक 24 अगस्त प्रातः 11 बजे नामदेव भवन

फ्रॉड का समय तब का जब भाजपा नेता जिला अध्यक्ष की कुर्सी पर थे आसीन

फ्रेंचाइजी के नाम पर 32 लाख का फ्रॉड डीएसपी जांच में आरोप मिले सही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

फिजिक्स वाला कोचिंग सेंटर की फ्रेंचायजी दिलाने के नाम पर भाजपा नेता की पुत्रवधु के साथ 32 लाख रुपये का फ्रॉड हो गया। यह मामला तब का है, जब भाजपा नेता दयाराम यादव जिला अध्यक्ष की कुर्सी पर आसीन थे। इस मामले में अभी दो दिन पहले ही पुलिस ने केस दर्ज किया है। जिसके अनुसार वन्दना पत्नी अमित यादव प्रिंसिपल सरस्वती विद्या मन्दिर बरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी से एक व्यक्ति अमित यादव पुत्र सुन्दरलाल वासी पचेरी राजस्थान ने मिला और उसने बताया कि उसकी फिजिक्स वाला से अच्छी जान पहचान है, अगर चाहों तो उसकी फ्रेंचायजी दिलवा सकता है। जिसकी ऑनलाइन कक्षाएं भी चलती है। जिस पर उसने फ्रेंचायजी के लिए हां कर दी।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अमित ने इस काम के लिए उससे 32 लाख रुपये का एग्रीमेन्ट किया। जिसके अनुसार अमित यादव उनकी फर्म व फिजिक्स वाला के कॉन्ट्रेक्ट करवाकर फ्रेंचायजी नहीं दिलवाता है, तो एक माह के बाद 1.50 रुपये के ब्यान के हिसाब से रुपये लौटाने होंगे। इस बारे में उनकी अमित के पिता सुन्दरलाल यादव पुत्र धर्मचन्द से भी बात हुई थी और उन्होंने भी गारन्टी ली थी, अगर उसका मेरा बेटा आपकी फर्म सरस्वती व फिजिक्स वाला के बीच कॉनट्रेक्ट नहीं करवाता है, तो दिए गए रुपये की गारन्टी है, अगर बेटा रुपये समय पर नहीं लौटाता है, तो वह रुपये लौटा दूंगा, लेकिन अमित यादव व उसके पिता सुन्दरलाल ने आज तक न तो कोई कॉन्ट्रेक्ट करवाया और न ही रुपये वापस दिए है।

अमित यादव की नहीं है फिजिक्स वाला से जान पहचान

शिकायत में बताया कि पहले जानकारी नहीं थी, अब पता चलने लगा कि फिजिक्स वाला के साथ अमित यादव की कोई जान पहचान नहीं है और न ही अमित फ्रेंचायजी दिलवा सकता था, उसने ठगने के इरादे से धोखाधड़ी करते हुए साजिश के तहत रुपये लिए है। इसलिए आरोपित से रुपये वापस दिलवाए जाए।

करीब एक साल पूर्व का मामला

मामला करीब एक साल पूर्व का है, उस समय दयाराम यादव ही भाजपा के जिला प्रधान थे। रुपये नहीं मिलने पर अब उनकी पुत्रवधु वंदना यादव ने पुलिस में शिकायत दी। जिसके बाद पुलिस ने 21 अगस्त को मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी गई शिकायत में भाजपा के पूर्व जिला प्रधान की पुत्रवधु वंदना ने बताया कि वह नांगल चौधरी में सरस्वती स्कूल की प्रिंसिपल है। शिकायत के अनुसार एग्रीमेन्ट 17 सितंबर 2024 को हुआ था। जिसमें स्पष्ट रूप से अंकित है कि अगर अमित यादव फर्म सरस्वती इंटरप्राइजेज व फिजिक्स वाला के कॉन्ट्रेक्ट करवाकर फ्रेंचायजी नहीं दिलवाता है, तो एक माह के बाद 1.50 रुपये ब्याज के हिसाब से रुपये लौटा देगा।

पुलिस ने किया केस दर्ज

एसपी ऑफिस से प्राप्त इस शिकायत की जांच उप पुलिस अधीक्षक भारत भूषण ने की। जिसमें पाया कि विजय यादव निवासी गांव इन्दरसर थाना बुहाना राजस्थान हाल आबाद हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी ने फिजिक्स वाला की फ्रेंचायजी लेकर महावीर चौक के पास फिजिक्स वाला का कोचिंग सेन्टर चलाया जा रहा था। इसी सेंटर पर अमित यादव निवासी गांव इन्दरसर थाना बुहाना राजस्थान भी मैनेजमेंट के तौर पर कार्य करना सामने आया है। अमित यादव ने उक्त फ्रेंचायजी में हिस्सेदार बताया। जबकि इस सम्बन्ध में कोई कागजात पेश नहीं किए गए। ऐसे में अमित यादव ने अपने पिता व फिजिक्स वाला कोचिंग सेंटर के संचालक विजय कुमार के साथ मिलीभगत कर फ्रॉड किया है। जांच के बाद पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ थाना शहर केस दर्ज कर लिया है।

इस प्रकार हुआ था एग्रीमेंट

एग्रीमेन्ट सितंबर–2024 में स्पष्ट रूप से अंकित...अगर अमित यादव फर्म सरस्वती इंटरप्राइजेज व फिजिक्स वाला के कॉन्ट्रेक्ट करवाकर फ्रेंचायजी नहीं दिलवाता है, तो एक माह के बाद 1.50 रुपये ब्याज के हिसाब से लौटा देगा।

मॉडर्न स्कूल की छात्रा करेगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। छात्राओं को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास में भी मदद करता हैं। इसलिए जीवन में खेलों को महत्व दें। यह आह्वान शनिवार को मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छात्रा को सम्मानित कर प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने किया। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल अटेली में लड़कियों की जिला स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें मॉडर्न स्कूल की कक्षा 10वीं की छात्रा नताश सैनी पुत्री रणजीत सिंह ने अंडर 17 आयुवर्ग में आयोजित 800 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता के साथ-साथ स्कूल व पूरे जिले का नाम रोशन किया है। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल विद्यार्थी जीवन का अभिन्न अंग है। एक अच्छा खिलाड़ी खेल के माध्यम से पूरे देश का नाम रोशन कर सकता है। कभी भी विद्यार्थियों को हार से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि हार से प्रेरणा लेकर और अधिक मेहनत करनी चाहिए, क्योंकि जो कड़ी मेहनत करता है एक दिन सफलता उसके कदम अवश्य चूमती है।

बदमाश सुरेंद्र चीकू सहित चार नामजद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के बड़ा बाग वासी बृजलाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि शहरी क्षेत्र दयानगर में जमीन के विवाद को लेकर महावीर ने शिकायत दी थी। आरोप है कि प्रोपर्टी डीलर जिले सिंह ने आकर हमें धमकी दी और कहा कि सुरेन्द्र उर्फ चिक्कु जल्द ही जेल से बाहर आ रहा है। यह जमीन सुरेंद्र उर्फ चिकू ने ले रखी है। वह तेरे व तेरे परिवार को गोली मार देगा। चुपचाप हमें जमीन दे दो। उसके बाद जमीन पर विक्रांत उर्फ विक्की और 15 से 20 युवक तीन कैम्पर गाड़ी में आए। विक्की ने पिस्तौल दिखाकर कहा कि जान से मार देंगे वरना समझौता कर लो। यह बोलकर वह तुरंत चला गया। उसके साथ जो कैम्पर गाड़ी में युवक आए थे, उनमें अंकित जांगिड़ व अन्य युवक थे। इस पूरी घटना की हमने वीडियो भी बनाई थी, लेकिन थोड़े ही समय की बन पाई। आरोपितों ने मोबाइल छिन लिया और हमारे साथ मारपीट की। हमने महावीर पुलिस चौकी में भी शिकायत दी थी। डर की वजह से नहीं लिख थी। पीड़ित ने शिकायत में बताया है कि हमें किसी ने बताया कि पूरी बात एसपी मैडम को बताओ, वह बहुत इमानदार व नीडर है। पूरा न्याय मिलेगा। आरोप लगाया कि सीआईए नारनौल में आरोपित सुरेंद्र उर्फ चीकू के लोग काम करते है। ऐसे में जांच महेंद्रगढ़

ऋषि हर्बल आयुर्वेदा करेगी भारत मंडपम एक्सपो में दिल्ली में शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले की एकमात्र आयुर्वेदिक संस्था ऋषि हर्बल आयुर्वेदा दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित आरोग्य उत्सव एक्सपो 2025 में भाग लेगी। यह भव्य आयोजन आयुष मंत्रालय एवं एमएसएमई विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। ऋषि हर्बल आयुर्वेदा लंबे समय से संपूर्ण आयुर्वेदिक चिकित्सा पर कार्य कर रही है। संस्था में न केवल देसी औषधीय जड़ी बूटियां उगाई जाती हैं, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से दुर्लभ वनौषधियां भी मंगाकर उनका फर्मेंटेशन कर जूस, चूर्ण व अन्य

23 नारनौल। ऋषिपाल।

औषधीय उत्पाद तैयार किए जाते हैं। ये उत्पाद मानव शरीर ही नहीं बल्कि पशुओं के लिए भी अत्यंत लाभकारी साबित हुए हैं। संस्था के संस्थापक वैद्य ऋषिपाल को हाल ही में कोलंबिया यूनिवर्सिटी की ओर से पीएचडी की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया है। संस्था ने अब तक हजारों मरीजों को अपनी औषधीय पद्धति से स्वास्थ्य लाभ दिलाया है।

मुस्कान करेगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व

नारनौल। हरियाणा एचएसएसीएस पंचकूला की ओर से आयोजित जिला स्तरीय साइंस प्रतियोगिता में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका की छात्रा मुस्कान ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर अव्वल रहने वाले जिले के 50 स्कूलों ने हिस्सा लिया था। जिसमें श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूलए भुंगारका की छात्रा मुस्कान पुत्री कृष्ण कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि इस उपलब्धि से न केवल स्कूल को गर्व है, बल्कि पूरे जिले में मुस्कान की प्रतिभा का लोहा माना जा रहा है।

बस स्टैंड पर आए नए इंस्पेक्टर की सख्ती का असर

महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर बसें आने-जाने का समय रजिस्टर में दर्ज होना शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ बस स्टैंड आने वाली हरियाणा रोडवेज की बसों को रजिस्ट्रर में आने–जाने का समय दर्ज करना होगा। इतना ही नहीं, निर्धारित काउंटर पर बस लगानी होगी और समय से उसकी निकासी करनी होगी। प्राइवेट बस वालों को भी सख्ती से चेता दिया गया है। यह नियम बस स्टैंड के नए इंचार्ज के आने के बाद से लागू किया गया है। नए इंचार्ज के रूप में इंस्पेक्टर हरीकिशन ने चार्ज संभाला है, जिन्होंने रजिस्ट्रर मेनटेन करने का नियम सख्ती से लागू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि महेंद्रगढ़ में रोडवेज का सब डिपो बना हुआ है। वर्तमान में 50 रोडवेज तथा लगभग 55 निजी बसों का आवागमन होता है। इन सभी बसों को निर्धारित समय पर आवागमन करने की हिदायत जारी कर दी गई है। बस स्टैंड पर रोडवेज व प्राइवेट बसों के चालकों को आने व जाने का समय रजिस्टर में दर्ज करना होगा। इससे बसों के समय का पूरा विवरण दर्ज रहेगा। बसों को बूथों पर लगाना भी अनिवार्य कर दिया है। बस स्टैंड पर एंट्री रजिस्टर लगाने से चालक व परिचालक को रजिस्टर में नाम, बस नंबर, डिपो व समय का रिकार्ड दर्ज रहेगा। इससे बस चालकों की मनमाने ढंग से काउंटर की बजाए इधर–उधर बस खड़ा करने पर पाबंदी रहेगी।

रजिस्टर में समय दर्ज होने से यात्रियों को होगा लाभ

इस बारे में बस स्टैंड इंचार्ज हरिकिशन ने बताया कि उन्होंने चार्ज संभालते ही एंट्री बसों के आने–जाने का टाइम नोट करने के लिए रजिस्ट्रर लागू कर दिया। इससे यात्रियों को फायदा मिलेगा। निर्धारित समय पर बसें आएंगी और जाएंगी तथा उन्हें काउंटर पर ही बस मिलेगी। प्राइवेट बस वालों को भी हिदायत दी गई है कि वे नियमों का सख्ती से पालन करें और काउंटर से ही सवारियां बैठाकर निर्धारित समय पर रवाना हों। जो कोई चालक या परिचालक रजिस्टर में एंट्री नहीं करेगा, उसकी रोडवेज जीएम को कार्यवाही के लिए के लिखा जाएगा।

SHARBATI COLLEGE OF NURSING
Approved By: INC NEW DELHI, HN & NMC CHANDIGARH
Affiliated to: Pt. B.D. Sharma University of Health Science, Rohtak
B.SC. NURSING ADMISSION 2025-26
Last date of submitting online application form: 27/08/2025 upto 11.59PM
Date and time of entrance examination : 07/09/2025 (10.00 AM TO 01.00PM
Admission Enquiry for B.Sc. (Nursing), G.N.M., A.N.M.

COURSE	DURATION	AGE CRITERIA	QUALIFICATION
B.Sc. (NURSING)	4 Yrs.	17 to 35 Yrs.	10+2 Pass PCB, English (50%)
GNM	3 Yrs.	17 to 35 Yrs.	10+2 Pass Any Stream (40%)
ANM	2 Yrs.	17 to 35 Yrs.	10+2 Pass Any Stream

Requirement
NURSING TUTOR: 03 — Qualification: B.Sc. Nursing / M.Sc. Nursing
ASSOCIATE PROFESSOR : 02 — Qualification: M.Sc. Nursing with 08 years Exp.
Apply Now: Send CV to Principalsion@gmail.com
शरबती कॉलेज ऑफ नर्सिंग का ट्रेनिंग के लिए अपना अस्पताल है।
ADD.: GAUSHALA ROAD, MOHINDERGARH (HR.)
Ph. 9896182988, 9416572387
Admission portal link - https://uhsrcetadmissions.in

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

कलश यात्रा निकालकर प्रारंभ होगा ज्ञानोत्सव

महेंद्रगढ़। शहर के रेलवे रोड स्थित मास्टर कॉलोनी के किशोरी कुंज में 28 अगस्त को श्रीमद्भागवत सप्ताह

ज्ञानोत्सव का शुभारंभ होगा। इस दौरान मास्टर अमरसिंह सोनी के निर्देशन में कॉलोनी के बच्चों द्वारा कथा प्रसंग से संबंधित मनमोहक झांकियां भी पेश की जाएंगी। राठी परिवार की ओर से आयोजित यह सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा रेलवे रोड पर स्थित किशोरी कुंज में 28 अगस्त से तीन सितंबर तक चलेगी, जिसका समय प्रतिदिन शाम तीन से छह बजे तक रहेगा।

राव जयराम स्कूल में विज्ञान प्रश्नोत्तरी आयोजित

महेंद्रगढ़। राव जयराम विद्यालय में कक्षा पहली से छठी तक के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का आयोजन एकता यादव ने किया तथा निर्णायक मंडल की भूमिका शक्ति यादव तथा अरुण कुमार ने निभाई। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के तीनों हाउस से चार-चार प्रतिभागियों की टीम शामिल हुई। प्रतियोगिता को पांच रोचक राउंड में विभाजित किया गया। सभी राउंड के प्रश्न विद्यार्थियों की सोचने की क्षमता, उनकी ज्ञानवर्धन और विज्ञान विषय में उनकी रुचि को प्रकट कर रहे थे।

जूडो स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों ने लहराया परचम

नारनौल। अगर मेहनत और जज्बा सच्चा हो तो कोई भी परिस्थिति इंसान को रोक नहीं सकती। इसी का उदाहरण पेश किया है स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों ने, जिन्होंने संघर्षों से निकलकर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। हाल ही में आयोजित हरियाणा स्टेट गेम्स जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में स्लम एरिया टैलेंट के होनहार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया।

दिनभर रही बादलों की आवाजाही

नारनौल। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे या आसपास बने हुए हैं। दिन व रात के तापमान में अन्तर नहीं होने से सम्पूर्ण इलाके में मौसम सुहावना बना हुआ है। गर्मी से आमजन को राहत मिली है।

ग्रामीणों को किया नशे के खिलाफ जागरूक

sनारनौल। पुलिस ने नशे के खिलाफ प्रभावी अभियान शुरू किया हुआ है। जिसका उद्देश्य युवाओं व ग्रामीणों को नशे से बचाना और उन्हें इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। एसपी की ओर से गठित विशेष टीम इस मुहिम को जमीनी स्तर पर चला रही है। यह टीम गांव गांव जाकर चौपालों व सामुदायिक केंद्रों पर ग्रामीणों से सीधे संवाद कर रही है। निरीक्षक शारदा व उनकी टीम ने शनिवार को गांव कमानिया में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

भारती विकास परिषद ने आयोजित की राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

समूहगान में यदुवंशी शिक्षा निकेतन की टीम रही प्रथम, आरपीएस स्कूल की टीम रही द्वितीय

देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों की पुस्तक "चेतना के स्वर" से लिए गए गीतों से मन मोहा

हरिभूमि न्यूज नारनौल।

नारनौल। विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथि व शाखा टीम। फोटो:हरिभूमि

भारत विकास परिषद् की ओर से शनिवार राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता बीपीएस स्कूल में आयोजित की गई। इसमें हरियाणा व्यापार मंडल के शहरी प्रधान संजय गर्ग मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता भाविप उत्तर क्षेत्र दो के क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव महेंद्र शर्मा ने की। विशिष्ट सहयोगी के तौर पर सेवा भारती हरियाणा के अध्यक्ष अशोक सिंघल, बीपीएस स्कूल चेयरमैन कमल संघी मौजूद रहे। इस प्रतियोगिता में यदुवंशी शिक्षा निकेतन की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों की पुस्तक "चेतना के स्वर" से लिए गए गीतों की राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि संजय गर्ग ने कहा कि देशभक्ति से भरे ऐसे गीत छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करते हैं और उन्हें समाज व राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। अध्यक्षता कर रहे महेन्द्र शर्मा ने कहा कि भारत विकास परिषद् का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रभक्ति को नई पीढ़ी में संचारित करना है। परिषद की नारनौल शाखा के अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा ने अतिथियों का स्वागत और परिषद् परिचय करवाया।

यह रहा परिणाम

प्रतियोगिता में यदुवंशी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नारनौल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान आरपीएस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल तथा तृतीय स्थान एसवीएन पब्लिक स्कूल नारनौल की टीम को मिला। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर शाखा नारनौल कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, सम्पर्क प्रमुख नीरज अग्रवाल, पर्यावरण प्रमुख अशोक जांगिड़, धीरज भयाना, पवन अरोड़ा, सुनील चुघ, सुभाष सिंगला, नरेश गोगिया, विष्णु गर्ग, सुभाष कश्यप, सुनील मित्तल, भगत सैनी, ओमप्रकाश अरोड़ा, प्रदीप यादव, मधुर गर्ग, विपिन शर्मा, देवदत्त, दीपक वर्मा, महिला गतिविधि संयोजक लक्ष्मी सचदेवा, प्रियंका संघी, मोनिका गुप्ता, पूजा गर्ग, रविना सोनी, प्रीती शर्मा आदि रहे।

देश के प्रति जागरूकता पैदा करना जरूरी

विशिष्ट सहयोगी अशोक सिंघल एवं कमल संघी ने कहा कि आज के समय में बच्चों में देश ओर समाज के प्रति जागरूकता पैदा करना अति आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम होते रहना अति महत्वपूर्ण हैं। संस्कार गतिविधि प्रमुख डा. शिवकुमार यादव ने प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी। शाखा सचिव मुकेश जैन ने मंच संचालन कर अतिथियों का परिचय करवाया। वरिष्ठ सदस्य हितेन्द्र बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में बीपीएस स्कूल, सीएल पब्लिक स्कूल, यदुवंशी पब्लिक स्कूल, सूरज पब्लिक स्कूल, आरपीएस पब्लिक स्कूल नारनौल और एसवीएन पब्लिक स्कूल नीरपुर की टीमों ने भाग लिया।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि फोटो : हरिभूमि

राव रामचंद्र स्कूल के छात्रों ने तैराकी में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तर पर आयोजित तैराकी प्रतियोगिता में राव रामचंद्र मैमोरियल पब्लिक स्कूल का परिणाम शानदार रहा। छात्र 50 मीटर फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान मोहित कुमार एवं यश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 50 मीटर बटरफ्लाई एवं 100 मीटर बटरफ्लाई में हेमंत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर फ्री स्टाइल में हेमंत ने पहला एवं सुखराज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया एवं 100 मीटर बैक स्ट्रोक में आदित्य ने पहला एवं दीपेंद्र ने दूसरा, 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में प्रिंस ने तीसरा स्थान प्राप्त कियाएवं दीपेंद्र ने 100 मीटर एवं 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा 100 मीटर फ्री स्टाइल में नवीन ने दूसरा, 400 मीटर फ्री स्टाइल में नितिन ने दूसरा, सुखराज 200 मीटर फ्री स्टाइल में तीसरा एवं जतिन ने 100 मीटर फ्री स्टाइल में तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा 50 मीटर बैक स्ट्रोक में ईश्वर नारायण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन सभी विद्यार्थियों ने अपनी जीत का श्रेय अपने कोच रामस्वरूप आर्य एवं संस्था अध्यक्ष रोशनलाल यादव एवं प्रिंसिपल हरिप्रकाश शर्मा को दिया। सभी छात्रों को संस्था अध्यक्ष रोशनलाल यादव ने सम्मानित कर उनका हौंसला बढ़ाया।

सरस्वती स्कूल का एयर बेस राडार मॉडल प्रथम

- सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इंटर कक्षाओं की साइंस प्रतियोगिता प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में कराई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। साइंस प्रदर्शनी में मॉडलों का अवलोकन करते एमडी अमित यादव।

सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इंटर कक्षाओं की साइंस प्रतियोगिता प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में कराई गई। जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने एआई व साइंस पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने मॉडलों की तकनीक तथा उपयोगिता का अवलोकन किया व संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने बताया कि राष्ट्र या समाज का विकास साइंस पर निर्भर होता है। साइंस की तकनीक से गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो पाया, साथ ही राष्ट्र की सुरक्षा में साइंस का बड़ा महत्व है। युद्ध के दौरान एयर स्ट्राइक से हमले होने लगे हैं, जोकि हजारों किलोमीटर दूर से पायलेट रहित लड़ाकू विमानों से होता है। बचाव के लिए राष्ट्र का एयर डिफेंस राडार सिस्टम मजबूत होना अनिवार्य है। 10वीं कक्षा की छात्राओं ने एयर राडार सिस्टम पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने तर्क दिया कि राडार में उच्च क्वालिटी के सेंसर लगे होते हैं, जो दुश्मन के लड़ाकू विमान को कैप्चर कर लेगा तथा ऑटो मोड पर मिसाइल दागना आरंभ कर देगा। विमान द्वारा दिशा बदलने के बावजूद सेंसर की मदद से राडार सिस्टम पीछा नहीं छोड़ता तथा निर्धारित रेंज पर पीछा करता है। इसके अलावा आर्मी कंट्रोल रूम को अलार्म संदेश भेजेगा। जिससे सेना को बचाव करने में मदद मिलेगी। कक्षा 12वीं की छात्राओं ने स्मार्ट स्कूल कैंपस का मॉडल बनाया, जिससे बिजली बचाने तथा डिजिटल तकनीक की उपयोगिता से अवगत कराया। खुशी एंड टीम ने ऑटो सेंसर गेट पर आधारित मॉडल बनाया। इसके अलावा साइंस प्रदर्शनी में पर्यावरण स्वच्छता के मॉडल को प्रथम स्थान मिला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विद्यालय में पिछले साल स्थापित एआई व रोबोटिक्स लैब की सुविधा मुहैया कराई गई है। प्रदर्शनी में संदीप यादव, जितेंद्र कुमार, धीरज यादव ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

हरियाणा स्कूल के विद्यार्थी राज्य स्तर पर करेंगे जिले का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान बनाया। विद्यालय के डीपीई मनोज पूनिया ने बताया कि एसजीएफआई की ओर से आयोजित जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए, जहां हरियाणा पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं की छात्रा डिंपल पुत्री धर्मवीर अंडर 19 आयुवर्ग के 57 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल विजेता रही तथा कक्षा

नारनौल। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

11वीं के छात्र यश पुत्र पंकज कुमार ने अंडर 19 आयुवर्ग की 50 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। वहीं कक्षा आठवीं की छात्रा दृष्टि पुत्री सुनील कुमार ने अंडर 14 आयुवर्ग की तीरंदाजी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय निदेशक पुष्करमल वर्मा ने बताया कि तीनों ही विद्यार्थी अब राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा, डीन मनोज भारद्वाज, प्राचार्य सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़ के वेदप्रकाश ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भरा नामाकंन पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

वेदप्रकाश गोयल।

शहर के मौहल्ला शेरागुवाड़ी निवासी वेदप्रकाश गोयल ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामाकंन पत्र दाखिल किया है। वेदप्रकाश गोयल निःस्वार्थ सेवा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वे अपना समर्थन एनडीए के उम्मीदवार को देंगे। वे लोकसभा और विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। इसके अलावा राष्ट्रपति का चुनाव भी लड़ चुके हैं।

करीब 69 वर्षीय वेदप्रकाश गोयल महेंद्रगढ़ मौहल्ला शेरागुवाड़ी के निवासी हैं। उन्होंने 21 अगस्त को दिल्ली में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें 20 सांसदों का समर्थन और 20 सांसदों ने अनुमोदक किया है। गोयल ने इससे पहले दो बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए भी आवेदन किया था। इसके अतिरिक्त, वे तीन बार लोकसभा (भिवानी-महेंद्रगढ़) और तीन ही बार महेंद्रगढ़ विधानसभा से चुनाव लड़ चुके हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें 2000 वोट मिले थे। वर्ष 2019 में 1900 और 2024 में 1998 वोट मिले। महेंद्रगढ़ विधानसभा से उन्होंने 2014 में 350, 2019 में 650 और 2024 में 298 वोट हासिल किए। वेदप्रकाश गोयल के पिता बृजमोहन गोयल स्वतंत्रता सेनानी थे। वेदप्रकाश पांचवी कक्षा तक पढ़े है। वेदप्रकाश गोयल पंसारी की दुकान चलाते हैं। वेदप्रकाश गोयल ने बताया कि वह उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए कैंडिडेट को अपना समर्थन देंगे, जिससे वह लोगों की सेवा करवा सके।

सूरज स्कूल में एंटी-टॉबैको जनरेशन ड्राइव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सूरज स्कूल में शिक्षा विभाग के अधीनस्थ एंटी-टॉबैको जनरेशन के तहत एक विशेष जागरूकता ड्राइव का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिता जैसे स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता के माध्यम से तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों को दर्शाया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातःकालीन सभा में शपथ ग्रहण की गई, जिसमें सभी छात्रों एवं स्टाफ ने तंबाकू से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें तंबाकू छोड़ो–जीवन अपनाओ जैसे नारों के माध्यम से स्थानीय समुदाय को संदेश दिया गया। डायरेक्टर संदीप प्रसाद ने कहा कि विद्यार्थी ही देश का भविष्य है और यदि वे आज से ही नशे से दूर रहने का संकल्प लेते हैं तो निश्चित ही कल एक सशक्त व स्वस्थ समाज का निर्माण करेंगे। प्रिंसिपल रितू चहल ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जगाते हैं और उन्हें आदर्श नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी विंग कमांडर टेकचंद यादव, जेआरसी काउंसलर पवित्रा यादव, सत्यवीर सिंह एवं विजय यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। प्रतिभागियों को सम्मानित करती चेयरपर्सन डॉ. कविता राव।

श्रीकृष्णा स्कूल में अंग्रेजी प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल में अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राईमरी हैड नत्थूराम ने बताया कि इस प्रतियोगिता में दूसरी से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कक्षा दूसरी से अनवी प्रथम, रितिक ने दूसरा, तनुज व देवांशी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से भिवांशी ने प्रथम, पल्लवित व वेदिका ने दूसरा व प्रणित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा चौथी से खुशी व यशवी ने प्रथम, आराध्या व मोक्ष ने दूसरा व स्मृति, विराट ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा पांचवी से कीर्ति व पलक ने प्रथम, मीशा ने दूसरा व मनीत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि लेखन कला जगत का आधार है। लेखन की बनावट विद्यार्थी जीवन की पहचान है। एक सुन्दर अभिव्यक्ति सुन्दरता भरे लेख से ही प्रदर्शित होती है। चेयरपर्सन डॉ. कविता राव ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता के आयोजन से विद्यार्थियों में बौद्धिक विकास होता है।

खेलकूद

जिलास्तरीय ऑचरी प्रतियोगिता का शुभारंभ, कैटेगरी वाइज प्रतिभागियों का चयन

स्थानीय में बाल भवन में आयोजित की जा रहीं है जिलास्तरीय अंडर 14 प्रतियोगिता

चयनित होने वाले प्रतिभागी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जिला का करेंगे प्रतिनिधित्व

- इस प्रतियोगिता में कुल 27 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा विभाग की ओर से जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के तहत शनिवार बाल भवन परिसर में शनिवार को अंडर-14 वर्ग की जिला स्तरीय ऑचरी प्रतियोगिता आरम्भ हुई। इस प्रतियोगिता में कुल 27 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिभागियों का चयन किया गया। अब यह चयनित प्रतिभागी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अवसर पर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारना है, ताकि उन्हें आगे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिले। प्रतियोगिता के विजेता चार प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के ओवरऑल इंचार्ज सुरेंद्र शर्मा ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि निशानेबाजी धैर्य और एकाग्रता का खेल है, जो बच्चों को जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाता है। जिले की खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है यदि उन्हें सही दिशा और प्रशिक्षण मिले तो यह खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जिले का नाम रोशन कर सकते हैं। प्रतियोगिता के दौरान खेल विभाग से आर्चरी कोच विनय कुमार के अलावा कोच अमित कुमार व राहुल सैनी और विभिन्न स्कूलों से आए कोच मौजूद रहे।

27 प्रतिभागी ले रहे है हिस्सा

जिलास्तरीय ऑचरी प्रतियोगिता का शनिवार को शुभारंभ किया गया। चार श्रेणी में हुई इस प्रतियोगिता के 12 राउंड तय किए गए थे। प्रतियोगिता में 27 खिलाड़ी हिस्सा लिया। इमें चयन होने वाले प्रतिभागी भविष्य में प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।27 प्रतिभागी ले रहे है हिस्सा जिलास्तरीय ऑचरी प्रतियोगिता का शनिवार को शुभारंभ किया गया। चार श्रेणी में हुई इस प्रतियोगिता के 12 राउंड तय किए गए थे। प्रतियोगिता में 27 खिलाड़ी हिस्सा लिया। इमें चयन होने वाले प्रतिभागी भविष्य में प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

बसपा नेता ने की ई क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की मांग

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने राज्य सरकार व जिला प्रशासन से किसानों को फसल क्षति का दावा दर्ज करने के लिए महेन्द्रगढ़ जिला के लिए ई क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की मांग की है। अतरलाल ने कृषिमंत्री श्यामसिंह राणा व नवनियुक्त उपायुक्त को भेजे ज्ञापन में कहा है कि जुलाई व अगस्त माह में हुई भारी बरसात से खेतों में जलभराव के कारण गांव बाघोत, छिथरोली, झाड़ली, सिहोर, गाहड़ा, स्याणा, नौताना, पोता, सेहलंग, खेड़ी, तलवाना, धनौन्दा, पाथेड़ा, कैमला, खरकड़ा बास, अगिहार, उन्हाणी, चेलावास, बोचड़यि, कारिया आदि सैकड़ों गांवों के किसानों की कपास तथा बाजरा की खड़ी फसल खराब हो गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सात जिलों हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, रेवाड़ी, रोहतक, पलवल, सिरसा जिले के किसानों के लिए तो ई क्षतिपूर्ति पोर्टल 31 अगस्त तक खोल दिया है, लेकिन महेन्द्रगढ़ जिले के किसानों के लिए ई क्षतिपूर्ति पोर्टल नहीं खोला है। जिसके कारण उन्हें फसल खराबा का मुआवजा नहीं मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि बाघोत में जनसभा के दौरान स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने भी क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने का वादा किया था, लेकिन अब तक जिले के प्रभावित किसानों के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल नहीं खुला है।

थाना प्रबंधक ने ली सरपंचों की बैठक

नारनौल। थाना नांगल चौधरी प्रबंधक निरीक्षक भगत सिंह ने शनिवार को क्षेत्र के गांवों के सरपंचों के साथ बैठक की। जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा को मजबूत करना और अपराधों पर लगाम लगाना था। थाना प्रभारी ने सरपंचों को गांव में आपसी सामाजिक भाईचारा एवं शांति बनाए रखने और गांव में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। बैठक में थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस आमजन की मित्र है और पुलिस का लगातार प्रयास है कि आमजन के बीच विश्वास व सहयोग की भावना बढ़े। उन्होंने कहा कि गांवों में स्ट्रीट लाइटों की उचित व्यवस्था और प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने से रात के समय होने वाली चोरी, झगड़ों और अन्य आपराधिक गतिविधियों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

जवाहर लाल कैनाल नहर एनबी–वन से एनबी–थ्री तक होगी पक्की, 12 करोड़ होंगे खर्च

नहीं हुई सफाई

- वर्ष 1970 के बाद नहीं हुई जवाहरलाल कैनाल की मरम्मत, कैनाल के क्षतिग्रस्त होने के कारण जिला अंतिम छोर तक नहीं पहुंच रहा है पानी

महेश कुमार ▶▶ नारनौल

नारनौल। जवाहर लाल कैनाल में चलता पानी। फोटो : हरिभूमि

जिला की जीवनरेखा मानी जाने वाली जवाहरलाल कैनाल को पक्का करने का रास्ता साफ हो गया है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की ओर से एनबी-1 से एनबी-3 तक नहर को पक्का करने की मंजूरी दे दी है। इस कार्य पर लगभग 12 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस नहर को पक्का करने का मुख्य उद्देश्य अंतिम टेल तक नहरी पानी उपलब्ध कराना है ताकि जिले के सभी गांवों को पर्याप्त नहरी पानी उपलब्ध कराया जा सकें।

बता दें कि जिला का जलस्तर काफी नीचे जा चुका है। अधिकाशं गांव खेती के लिए नहरी पानी पर निर्भर है लेकिन नहर पानी 15 दिन आने के कारण विभाग के लिए सभी गांवों में उपलब्ध कराना चुनौती बना हुआ था। विभाग की ओर से किसानों को खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए महेंद्रगढ़ जवाहर लाल नहर को सीमेंटड बनाने का निर्णय लिया गया है। यह नहर वर्ष 1970 में ईंट की बनाई गई थी। जोकि पूरी तरह टूट चुकी है तथा इसमें पानी का रिसाव शुरू हो गया है। जिससे अंतिम टेल तक पानी पहुंचाना विभाग के लिए चुनौती बना हुआ था। विभाग का दावा है कि नहर सीसी की बनने के बाद अंतिम टेल तक नहर का पानी पहुंचेगा।

किसानों के विरोध के बाद रोका गया था काम

सिंचाई विभाग की ओर से वर्ष 2023 में जवाहरलाल कैनाल को पक्का करने का टेंडर जारी किया था। करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से झगड़ोली पंप से जिला के अंतिम तक कैनाल को सीसी का बनाया जाना था लेकिन गांव सिहमा के समीप गांव भालखी के किसानों ने नहर को पक्का कराने का काम रूकवा दिया था। किसानों का कहना था कि नहर को पक्का करने के बाद उनके गांव का जलस्तर नीचे चला जाएगा। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए विभाग ने काम बंद करवा दिया गया था। अब विभाग की ओर से दोबारा से टेंडर जारी कर नहर के बचे हुए हिस्से को पक्का कराया जाएगा।

महेंद्रगढ़ में है 35 नहर व 51 डब्लूडब्लूसी

महेंद्रगढ़ डिवीजन में 35 नहर व 51 डब्ल्यूडब्ल्यूसी है। जवाहर लाल कैनाल से ही इन नहरों व डब्ल्यूडब्ल्यूसी में पानी जाता है। यहां से किसानों को खेती के लिए नहरी पानी उपलब्ध कराया जाता है। विभाग की ओर से नहरों व डब्ल्यूडब्ल्यूसी 68 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई हुई है। फील्ड में तैनात कर्मचारियों की 24 घंटे की ड्यूटी होती है। खाना खाते वक्त भी कर्मचारी अपनी जगह दूसरे कर्मचारी को छोड़कर जाता है। फील्ड में तैनात कर्मचारी की ड्यूटी नहरी पानी की चोरी को रोकना तथा नहरी पानी का संचालन सुचारू रूप से कराना होता है।

पांच नए पुल का निर्माण कार्य हुआ पूरा

गांव झगड़ोली से नारनौल तक नहर पर 30 पुल बनाए गए है। विभाग की ओर से ग्रामीणों की मांग को देखते हुए नहर पर पांच नए पुल बनाए गए है ताकि नहर के साथ लगते गांवों के लोग आसानी से एक ओर से दूसरी ओर जा सकें। इसके अलावा पुराने पुलों को रिपेयर करने में करीब पांच करोड़ का खर्च किए गए है। गांव मेघनवास व बचीनी को जोड़ने वाले मार्ग के अलावा बुचौली से नांगल हरनाथ, खामपुरा से रामपुरा, खासपुरा से हुडिना तथा दौंगड़ा से कौथल की ओर जाने वाले मार्ग में नए पुल बनाए गए है। जल्द शुरू होगा कामः विभाग के जेई दीपक कुमार ने बताया कि गांव सिहमा से नांगल चौधरी तक नहर को पक्का किया जा चुका है। अब एनबी–वन से एनबी–थ्री तक नहर को पक्का किया जाएगा। नहर को पक्का करने के बाद काफी हद पानी का रिसाव रूकेगा तथा आसानी से जिला के अंतिम छोर तक पानी पहुंच सकेगा।

खबर संक्षेप

गांव मुंडिया खेड़ा में जेवरात चुराए

कनीना। गांव मुंडिया खेड़ा में अज्ञात चोरों ने घर में दबिश देकर जेवरात चोरी कर लिए। इस बारे में पीड़ित महिला बिमलेश देवी ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि वह गुरुग्राम में रहती है। पीड़िता ने बताया कि तीन अगस्त को मुंडिया खेड़ा से गुरुग्राम गई थी। इसके बाद 21 अगस्त को वापस आई तो घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अलमारी व संदूक का ताला भी टूटा हुआ था।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

मंडी अटेली। स्थानीय राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त द्वारा किया गया। इस दौरान एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी और रस्साकसी प्रतियोगिता आयोजित हुई। स्कूल प्राचार्य राकेश कुमार ने बताया कि शिक्षा निदेशालय हरियाणा के आदेशानुसार इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

धूमधाम से मनाया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

मंडी अटेली। स्थानीय राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को आर्यभट्ट टेक्नो सोसाइटी फिजिक्स के तत्वावधान में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मनीषा कुमारी ने की। कार्यक्रम संयोजक सहायक प्रोफेसर राजकुमार ने इस दिन के चंद्रयान-3 मिशन के ऐतिहाक महत्व एवं आकाश विज्ञान में बढ़ती भारत की शक्ति के बारे में प्रकाश डाला।

जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन आज

मंडी अटेली। स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा 24 अगस्त को स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष जन सेवा मंडल के पवन बाछौदिया व गौड़ ब्राह्मण महासभा के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट रहेंगे रहेंगे। शिविर में नारनौल के एक निजी अस्पताल के चिकित्सक दवाई वितरित करेंगे।

जागरूकता शिविर आयोजित किया

कनीना। ककराला रोड स्थित गणेशी लाल महिला महाविद्यालय शनिवार को शिविर आयोजित कर छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया गया। महाविद्यालय की चेयरमैन डॉ. रिंपी यादव व प्राचार्या डॉ. पूनम ने छात्राओं को बताया कि जिले में शीघ्र ही राष्ट्रीय स्कूल पर्यावरण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। ऑनलाइन होने वाली इस प्रतियोगिता में छात्र छात्राएं हिस्सा लेंगे।

भाजपा कार्यकारिणी प्रशिक्षण शिविर आज

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की कार्यालय में 24 अगस्त को मंडल अटेली व बाछोद के भाजपा कार्यकारिणी का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। भाजपा मंडल अटेली के अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। जिसमें भाजपा के समस्त कार्यकारिणी सदस्य आदि शामिल होगें।

समाज के लोग ने प्रदर्शन राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

फिल्म 120 बहादुर पर रोक लगाने की मांग, लघु सचिवालय में किया प्रदर्शन

रेजांगला युद्ध पर बन रही फिल्म 120 बहादुर तथ्यों से परे : यादव समाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। फिल्म 120 बहादुर पर रोक लगाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

रेजांगला युद्ध पर बन रही फिल्म 120 बहादुर के तथ्यों से परे होने व इस युद्ध के नायक यदुवंशी वीरों के साथ हो रहे अन्याय के चलते फिल्म पर रोक लगाने व तथ्यों से छेड़छाड़ के विरोध में यादव समाज के सैकड़ों महिला व पुरुषों ने यादव सभा महेन्द्रगढ़ के नेतृत्व में लघु सचिवालय में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। इस अवसर पर यादव सभा के प्रधान अभय राम एडवोकेट ने बताया कि भारत के सैन्य इतिहास में रेजांगला युद्ध एक ऐसा अध्याय है, जिसे वीरता, बलिदान व अपार राष्ट्रभक्ति का प्रतीक माना जाता है। 18 नवंबर 1962 को लद्दाख के रेजांगला दर्रे पर घटित यह युद्ध, चीनी सेना के विरुद्ध लड़ा गया था। इस ऐतिहासिक युद्ध में 120 वीरों की एक छोटी टुकड़ी, जिनमें 117 यदुवंशी अहीर सैनिक थे। जिन्होंने 5000 से अधिक चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया और मातृभूमि के लिए 114 सैनिकों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस युद्ध में मेजर शैतान सिंह को परमवीर चक्र व नायब सूबेदार सूरजा राम यादव सहित आठ अन्य वीरों को वीर चक्र से सम्मानित किया गया, लेकिन हाल ही में बॉलीवुड की ओर से इस ऐतिहासिक युद्ध पर बनाई जा रही फिल्म 120 बहादुर ने तथ्यों को विकृत करके यदुवंशी समाज के बलिदान व गौरव को अंधकार में डालने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि युद्ध की ऐतिहासिक सच्चाई यह है कि इसमें 120 में से 117 सैनिक अहीर थे, जो हरियाणा, उत्तरप्रदेश व राजस्थान से थे। यह भ्रम फैलाने वाली फिल्म है। उन्होंने कहा कि 120 बहादुर फिल्म में बहादुर शब्द का प्रयोग कर इसे गोरखा सैनिकों की वीरगाथा की तरह प्रस्तुत किया गया है, जो कि ऐतिहासिक रूप से गलत है। इसका सही शीर्षक 120 वीर अहीर होना चाहिए। मूल इतिहास से छेड़छाड़ भी की गई है। इस मौके पर उपप्रधान संजय राव रिवासा, जगदीश यादव, विक्रम सिंह यादव, कृष्ण सिंह, कंवर सिंह, पवन व संदीप उपस्थित रहे।

फिल्म में यदुवंशी समाज का अपमान

फिल्म में मेजर शैतान सिंह को भाटी के रूप में दिखाकर राजपूत पहचान दी गई, जबकि सैन्य रिकॉर्ड में उनका नाम केवल शैतान सिंह था। यदुवंशी भूमिका का लोप दिखाई दे रहा है। फिल्म में कहीं भी नायब सूबेदार सूरजा राम यादव, वीर चक्र व अन्य सात वीर चक्र विजेता यदुवंशी वीरों का उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने इस सम्बंध में रजनीश घई से भी संपर्क किया और उन्हें शोध सामग्री उपलब्ध करवाई। जब उन्होंने पत्रों द्वारा अपीलों को अनदेखा किया तब मजबूरन रजनीश घई व फरहान अख्तर को कानूनी नोटिस भेजा, लेकिन फिर भी उन्होंने फिल्म में वीर चक्र व महावीर चक्र विजेता यादव वीरों का कहीं उल्लेख नही किया। इस बारे में उनका जवाब अस्पष्ट व अपमानजनक था। फिल्म के माध्यम से यदुवंशी समाज का अपमान किया गया है। यह फिल्म हमारे पूर्वजों के बलिदान का अपमान है और आने वाली पीढ़ियों को विकृत इतिहास सिखाने का माध्यम बन रही है। ऐतिहासिक साक्ष्यों की अनदेखी की गई है। तमाम उपलब्ध सैन्य दस्तावेज, रिपोर्ट व गवाही में यदुवंशियों की भूमिका स्पष्ट है, ऐसे में उन्हें फिल्म में स्थान न देना अन्याय है।

बलिदान की सच्ची गाथा सामने आए

पूर्वजों की वीरता व बलिदान की सच्ची गाथा देश और दुनिया के सामने आए। सरकार, सेना, सेंसर बोर्ड व निर्माता निर्देशक से मांग करते हैं कि इस फिल्म को तब तक रोका जाए जब तक इसका शीर्षक 120 बहादुर की जगह 120 वीर अहीर किया जाए तथा उसमें तथ्यों को सही किया जाए। यदुवंशी वीरों को यथोचित सम्मान दिखाया जाए।

बीआर स्कूल के विद्यार्थियों ने नाटक से दिया तंबाकू मुक्त समाज का संदेश

महेंद्रगढ़। रनुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज का संदेश देते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- आसपास के गांवों में जागरूकता रैली निकाली

बीआर स्कूल सेहलंग के विद्यार्थियों ने कम्यूनिटी आउटरिच प्रोग्राम के तहत नुक्कड़ नाटक का मंचन किया तथा आसपास के गांवों में जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान छात्रों ने लोगों को तंबाकू के खतरनाक दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने की अपील की। नुक्कड़ नाटक तथा रैली के दौरान गूंजे तंबाकू छोड़ो-जीवन संवारों, स्वस्थ युवा-सशक्त भारत, तंबाकू नहीं-जीवन हां, नशा मुक्त भारत–हमारा संकल्प-सेहत है अनमोल, तंबाकू से रखो गोल आदि नारे लगाए। उन्होंने बताया कि तंबाकू, गुटखा, बीड़ी और सिगरेट जैसे नशे न केवल व्यक्ति की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि यह अभियान यहीं नहीं रुकेगा, बल्कि इसे आगे और व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग तंबाकू मुक्त जीवन जीने का संकल्प ले सकें। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज को तंबाकू और नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करना है। विद्यार्थी समाज के बदलते चेहरे के सच्चे दूत हैं और उनके इस प्रयास से नई पीढ़ी अवश्य प्रेरित होगी।

तंबाकू मुक्त पीढ़ी कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में तंबाकू मुक्त पीढ़ी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रों एवं समाज में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक एवं रैली जैसी विभिन्न गतिविधियां करवाई गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता एवं प्रस्तुति के माध्यम से 'तंबाकू को ना कहे' का सशक्त संदेश दिया। पोस्टर एवं स्लोगन में तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों को उजागर किया गया, जबकि कविता पाठ और नुक्कड़ नाटक ने भावनात्मक एवं प्रभावशाली संदेश देकर सभी को प्रभावित किया।

क्वांटम युग का आगाज विषय पर सेमिनार हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विजेता छात्राओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राज्य शैक्षणिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के तत्वावधान में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय विज्ञान सेमिनार का आयोजन डीएवी पब्लिक स्कूल में किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने क्वांटम युग का आगाज संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर अपने विचार पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से रखे। क्वांटम युग एक रोमांचक और परिवर्तनकारी समय है, जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी व समाज के कई पहलुओं में क्रांति लाने का वादा करता है, हालांकि इन प्रौद्योगिकियों के विकास और उपयोग के साथ आने वाली चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है। प्रतियोगिता में पांचों खंडों में खंड स्तर पर आयोजित विज्ञान सेमिनार में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में रजनीश कुमार प्रवक्ता भौतिक विज्ञान, अमित कुमार प्रवक्ता भौतिक विज्ञान व मनमोहन प्रवक्ता भौतिक विज्ञान ने निर्णायक की भूमिका निभाई। जिसमें यदुवंशी शिक्षा निकेतन की छात्रा मुस्कान प्रथम व सूरज स्कूल महेंद्रगढ़ की छात्रा हिमांशी द्वितीय स्थान पर रही। प्रोग्राम के नोडल अधिकारी व जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि दोनों विद्यार्थी राज्य शैक्षणिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम में होने वाली आगामी राज्य स्तरीय साइंस सेमिनार में भाग लेंगे। प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी दिए गए। उन्होंने बताया कि विज्ञान संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अन्वेषण और विश्लेषणात्मक सोच की भावना का विकास करना है। यह विज्ञान संगोष्ठी देश के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आयोजित की जाती है। विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ब्लॉक स्तर पर भाग लेते हैं। प्रत्येक ब्लॉक से दो विजेता जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। प्रत्येक जिले से दो विजेता राज्य व केन्द्र शासित प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेते हैं और प्रत्येक राज्य व केंद्र शासित प्रदेश से केवल एक विजेता राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए पात्र होता है।

उभरते वैज्ञानिकों को अवसर मिलता है

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने कहा कि साइंस सेमिनार का आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक खोज के संबंध में रचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रवृत्ति जागृत करने के उद्देश्य से किया जाता है। उभरते वैज्ञानिकों को विचारों के आदान प्रदान का अवसर मिलता है। जिला स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राज्य स्तरीय साइंस सेमिनार प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

सूरज स्कूल की छात्रा हिमांशी का राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी के लिए चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। छात्रा हिमांशी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा कक्षा आठवीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में सूरज स्कूल की छात्रा हिमांशी ने विजय प्राप्त की। निदेशक संदीप प्रसाद ने छात्रा को नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इससे पहले यह विज्ञान संगोष्ठी जिले के सभी ब्लॉक स्तर पर आयोजित की गई थी और प्रत्येक ब्लॉक से दो विद्यार्थियों का चयन जिला स्तर पर किया गया था। इस विज्ञान संगोष्ठी का विषय क्वांटम युग की शुरूआत संभावना और चुनौतियां था। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन एमएलएस डीएवी स्कूल नारनौल में किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दिए गए विषय पर अधिकतम छह मिनट तक अपनी प्रस्तुति देनी थी। उसके बाद निर्णायकों के साथ दो मिनट का प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। प्रतिभागियों ने पोस्टर, चार्ट, कंप्यूटर स्लाईड आदि की मदद भी ली। जिला स्तर पर छात्रा हिमांशी अब राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करेगी।

बीजेआरडी स्कूल ने निकाली नशा मुक्ति चेतना रैली

महेंद्रगढ़। बीजेआरडी स्कूल के बच्चों ने शनिवार को नशा मुक्ति चेतना रैली निकाली। इस नशा मुक्ति चेतना रैली को चेयरपर्सन शीला राव ने हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान किया। ये नशा मुक्ति रैली जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त एवं खंड शिक्षा अधिकारी अलका के दिशा–निर्देशानुसार निकाली गई। इस रैली का उद्देश्य देश, प्रांत, जिला, नगर एवं गांव को नशे से मुक्त करना है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय निदेशक राजपाल यादव ने की। उन्होंने सभी बच्चों व शिक्षा विभाग के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम सब को मिलकर इस नशा मुक्ति अभियान को कामयाब करना होगा। इस अवसर पर टेकचंद डिविजनल कमांडर, विजय सिंह, जेआरसी रेडक्रॉस से कॉर्डिनेटर राजेश शर्मा झाड़ली एवं दीपक शर्मा मौजूद रहे।

देश सेवा पुलिस में भर्ती होगी, तीन सितम्बर को आवेदन होंगे जमा, 2004 में हरियाणा सशस्त्र बल के हटाए गए कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं

जिले में बढ़ेगा पुलिस बल, लिखित परीक्षा और शारीरिक माप तोल के बिना 50 एसपीओ की भर्ती की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। पुलिस लाइन का मुख्य द्वार। फोटो : हरिभूमि

पुलिस विभाग में स्पेशल पुलिस अधिकारी (एसपीओ) की भर्ती होने जा रही है। इसके लिए उम्मीदवार तीन सितम्बर को नारनौल की पुलिस लाइन में आवेदन जमा करवा सकते है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास तय की गई है। इस भर्ती में सेना एवं अर्धसैनिक बल के सेवानिवृत कर्मचारी, भंग की गई एचएसआईएसएफ बटालियन के हटाए गए कर्मचारी और 2004 में हरियाणा सशस्त्र बल के हटाए गए कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया में कुछ आवेदकों को एसपीओ पद के लिए वेटिंग लिस्ट में भी रखा जाएगा, जिनका आगामी समय में रिक्त स्थान के अनुसार चयन होगा। भर्ती होने के बाद ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर 50 लाख, स्थाई विकलांगता पर एक से तीन लाख और गंभीर चोट पर एक लाख की राशि देने का प्रावधान भी रखा गया है। आपको यह भी बताते चले कि महेंद्रगढ़ जिला में करीब 800 पुलिस कर्मी विभिन्न पदों पर तैनात है। इनके अलावा करीब 445 एसपीओ ड्यूटी दे रहे है। एसपीओ को हर माह करीब 20 हजार का वेतन मिलता है।

यह चाहिए दस्तावेज

भर्ती के इच्छुक सेवानिवृत आवेदक भर्ती प्रक्रिया के लिए अपना फैमिली आईडी, आधार कार्ड, पैन कार्ड, चार पासपोर्ट साइज फोटो, मूल प्रमाण पत्र, एजुकेशन सर्टिफिकेटस और डिस्चार्ज बुक अपने साथ लाएं। इसके साथ ही अगर कोई आवेदक किसी प्रकार के खेल से संबंध रखता है तो उससे संबंधित दस्तावेज भी अपने साथ लाएं। भर्ती के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं होगी। आवेदक की आयु 25 से 50 साल से अधिक ना हो और उन्हें अनुशासनहीनता या मेडिकल के आधार पर न हटाया गया हो। इच्छुक उम्मीदवार पुलिस लाइन नारनौल में तीन सितम्बर को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक अपने साथ उपरोक्त सभी दस्तावेजों की मूल प्रति भी लेकर आएं। इस भर्ती के लिए हरियाणा के किसी भी जिले का रिहायशी सेवानिवृत कर्मचारी आवेदन कर सकता है।

भर्ती होने पर यह मिलेगा लाभ

- भर्ती के समय कोई लिखित परीक्षा तथा शारीरिक माप तोल का आयोजन नहीं होगा। लेकिन निम्न शर्तों की पालना अवश्य की जाएगी। भूतपूर्व सैनिकों की सेना में सेवा कम से कम पांच साल होनी चाहिए तथा सेवानिवृति के समय चिकित्सा ए श्रेणी व चरित्र प्रमाण पत्र अनुकरणीय होना चाहिए।
- इस सहायक बल के सदस्यों को उनके गृह पुलिस थानों में तैनात नहीं किया जाएगा। लेकिन यह ध्यान में रखा जाएगा कि उनकी तैनाती उनके नजदीकी पुलिस थानों जोकि उनके निवास स्थान के निकट हो, में की जाएगी।
- जब सरकारी दौरे पर होंगे तो उसके लिए सरकार द्वारा निर्धारित राशि प्रतिदिन यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता टीए, डीए दिया जाएगा।
- उन्हें आकस्मिक आवकाश जो हरियाणा पुलिस के सिपाही के लिए लागू है, प्रदान किया जाएगा तथा सरकार द्वारा निर्धारित अनुग्रह राशि के लिए भी पात्र होंगे।
- ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर 50 लाख रुपये, स्थाई विकलांगता पर एक से तीन लाख रुपये और गंभीर चोट तक एक लाख रुपये देने का प्रावधान है।
- इन विशेष पुलिस अधिकारियों की सेवाएं संबंधित जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा एक साल या उससे पहले कभी भी बिना कोई कारण बताए इस आधार पर निरस्त की जा रही है। यदि इनका चाल–चलन तथा व्यवहार असंतोषजनक पाया जाता है अथवा इनकी सेवाओं की आवश्यकता ना हो।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

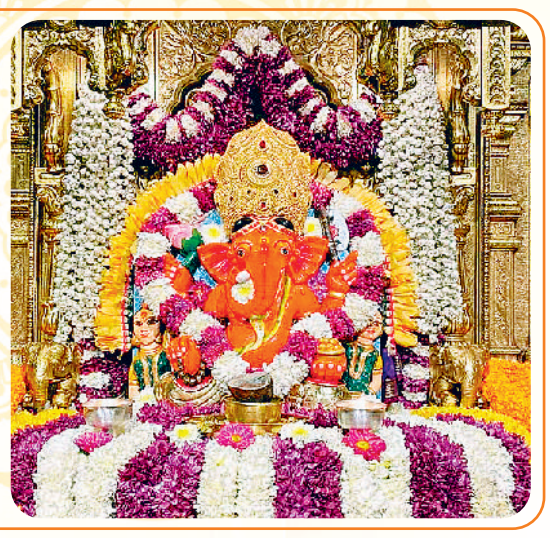

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

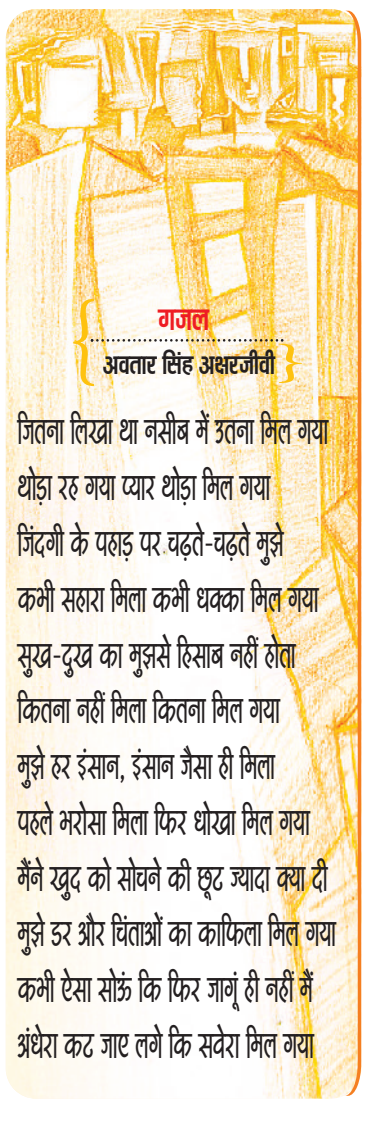

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

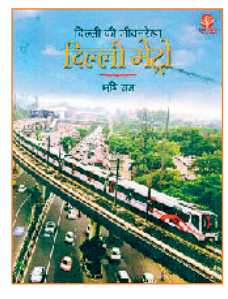

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

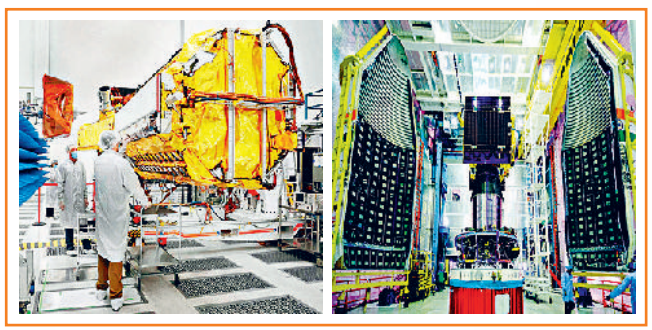

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

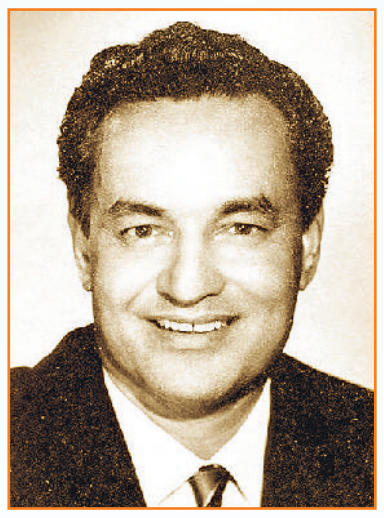

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *